PAPER-III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 7 3 1 3

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:
संस्कृत परम्परागत विषय
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – III

प्रश्नपत्र – III

Paper – III

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्तति: (75)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर** (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **seventy-five (75)** multiple choice questions. Each question carries **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

1. "कविज्यचन्द्रलग्नवा" व्रतेऽधमा भवन्ति –
"कविज्यचन्द्रलग्नवा" व्रतबन्ध में अधम होते हैं –
"कविज्यचन्द्रलग्नवा" –
(A) तनौ (B) रिपौ
(C) धने (D) व्यये

2. त्रिज्येष्ठमुपयुक्तं न भवति –
त्रिज्येष्ठमुपयुक्तं उपयुक्त नहीं होते है –
त्रिज्येष्ठ is not allowed –
(A) व्रतबन्धे (B) विवाहे
(C) द्विरागमने (D) चौले

3. नक्षत्रमानं भवति –
नक्षत्रमान होता है –
The measurement of नक्षत्र is –
(A) 13º 20' (B) 13º 10'
(C) 13º 00' (D) 30º 00'

4. कीटराशिरस्ति –
कीटराशि है –
कीटराशि is –
(A) धनु: (B) कर्क:
(C) मकर: (D) मीन:

5. आयुर्दायार्थं यो ग्रह: स्वोच्चे स्यात्तदा कर्त्तव्यम् –
आयुर्दाय हेतु जो ग्रह अपने स्वोच्च में हो तो करना चाहिए –
(A) द्विगुणम् (B) त्रिगुणम्
(C) चतुर्गुणम् (D) षडघ्नम्

6. जन्मनि चरराशिषु सर्वैर्ग्रहैर्भवति –
जन्म समय में सभी ग्रहों के चर राशि में रहने से होता है –
At the time of birth, if all ग्रहs exist in the चरराशिs, there happens –
(A) रज्जुयोग: (B) मुसलयोग:
(C) नलयोग: (D) चापयोग:

7. सूर्येन्दु भगणयोरन्तरम्भवति –
सूर्य चन्द्र के भगणों का अन्तर होता है –
The अन्तर between भगणs of सूर्य and चन्द्र is –
(A) चान्द्रमास: (B) सौरमास:
(C) अधिमास: (D) क्षयमास:

8. गुरुवासरे तृतीयहोरेशो भवति –
गुरुवार को तृतीयहोरेश होता है –
Third होरेश on गुरुवार becomes –
(A) सूर्य: (B) शुक्र:
(C) चन्द्र: (D) बुध:

9. सूर्यग्रहणे छादको भवति –
सूर्यग्रहण में छादक होता है –
The छादक in सूर्यग्रहण is –
(A) राहु: (B) केतु:
(C) चन्द्र: (D) बुध:

10. तिथ्यन्तसूर्योदयोर्मध्ये सदैव तिष्ठति –
तिथ्यन्त और सूर्योदय के मध्य में सदा रहता है –
Between तिथ्यन्त and सूर्योदय, there ever exists –
(A) अवमशेषम् (B) तिथिशेषम्
(C) क्षयशेषम् (D) अधिशेषम्

11. सर्वप्रथमं भूभ्रमणं कथितम् –
सर्वप्रथम भूभ्रमण कहा है –
First of all, भूभ्रमण is recommended –
(A) भास्करेण (B) आर्यभट्टेन
(C) वराहमिहिरेण (D) कात्यायनेन

12. एकस्मिन् वर्षे चन्द्रार्कग्रहणानामधिकतमा संख्या भवति –
एक वर्ष में चन्द्रसूर्य ग्रहणों की अधिकतम संख्या होती है –
Maximum number of सूर्यग्रहण and चन्द्रग्रहण is –
(A) 3 (B) 5
(C) 9 (D) 7

13. 'आदे: परस्य'इति सूत्रस्य अपवादकं भवति –
'आदे: परस्य'इस सूत्र का अपवादक होता है –
'आदे: परस्य'the अपवाद of this सूत्र, is –
(A) अलोऽन्त्यस्य
(B) स्वरितेनाधिकार:
(C) अनेकश्लिन् सर्वस्य
(D) ङिच्च

14. 'अचोञ्णिति' सूत्रात् वृद्धिर्भवति –
'अचोञ्णिति' सूत्र से वृद्धि होती है –
'अचोञ्णिति' by this sutra, वृद्धि takes place –
(A) सखायौ (B) उपैति
(C) प्रौढ: (D) रामौ

15. "हे बहुश्रेयसि" इत्यत्र ह्रस्वं विदधाति –
"हे बहुश्रेयसि" इसमें ह्रस्व होता है –
"हे बहुश्रेयसि" here ह्रस्व is there, because of –
(A) अम्बार्थनद्योर्ह्रस्व:(B) आण् नद्या:
(C) आटश्च (D) यूस्त्राख्यौ नदी

16. 'अनेक व्यक्तिभि: व्यङ्ग्यम्' स्फोट इति स्मृत: –
'अनेक व्यक्तिभि: व्यङ्ग्यम्' स्फोट होता है –
'अनेक व्यक्तिभि: व्यङ्ग्यम्' becomes स्फोट –
(A) वर्ण: (B) जाति:
(C) पदम् (D) वाक्यम्

17. 'प्रणवस्य स्फोटत्वं स्फुटमेवोक्तम्' इत्युक्ति: ग्रन्थे उद्धृता अस्ति –
'प्रणव का स्फोटत्व स्फुट ही कहा गया है' यह उक्ति ग्रन्थ में उद्धृत है –
'प्रणवस्य स्फोटत्वं स्फुटमेवोक्तम्' – this is quoted from the text –
(A) महाभाष्ये
(B) सिद्धान्तकौमुद्याम्
(C) वाक्यपदीये
(D) परमलघुमञ्जूषायाम्

18. शब्दाभिव्यक्ति विषये वादा: भवन्ति –
'शब्दाभिव्यक्ति' के विषय में वाद होते हैं –
The वादs in the subject of 'शब्दाभिव्यक्ति' –
(A) त्रयोदश: (B) त्रय:
(C) चत्वार: (D) षड्

19. 'सोमेन यजेत' इत्यत्र भावनार्थकपदं भवति –
'सोमेन यजेत' यहाँ भावनार्थक पद होता है –
'सोमेन यजेत' here भावनार्थक पद is –
(A) आख्यातपदम् (B) धातुपदम्
(C) स्वर्गपदम् (D) काभ्यपदम्

20. "पूजित विचारो मीमांसा शब्द:" इति वचनं भवति –
"पूजित विचारो मीमांसा शब्द:" यह वचन है –
"पूजित विचारो मीमांसा शब्द:" – this statement is –
(A) वाचस्पतिमिश्रस्य (B) सायणाचार्यस्य
(C) नीलकण्ठभट्टस्य (D) माधवाचार्यस्य

21. "एकाश्रम्यन्त्वाचार्या:" – इत्युक्तिरस्ति –
"एकाश्रम्यन्त्वाचार्या:" – यह युक्ति है –
"एकाश्रम्यन्त्वाचार्या:" – this statement is –
(A) मनो: (B) गौतमस्य
(C) विष्णो: (D) आपोदेवस्य

22. जननमरणाशौच मध्ये गुरुरस्ति –
जनन और मरण आशौच के मध्य गुरु है –
Among जनन, मरण and आशौच, the prominent is –
(A) जननम् (B) मरणम्
(C) शवानुगम् (D) गर्भस्रवम्

23. "दध्नाजुहुयात्" इति अस्ति –
"दध्नाजुहुयात्" यह वाक्य है –
"दध्नाजुहुयात्" this is –
(A) उत्पत्तिविधि: (B) अपूर्वविधि:
(C) विनियोगविधि: (D) अधिकारविधि:

24. विहितस्य कर्मण: फल विशेषसम्बन्धविधायकम् –
विहित कर्म के फलविशेष सम्बन्ध विधायक वाक्य को कहते हैं –
'विहितस्य कर्मण: फल विशेषसम्बन्धविधायकम्' – is the definition of –
(A) विशिष्टविधि: (B) अधिकारविधि:
(C) नियमविधि: (D) प्रकरणम्

25. 'सोमेन यजेत' इत्यत्र वाक्यभेदभयेन भवति –
'सोमेन यजेत' इसमें वाक्य भेद भय से होता है –
'सोमेन यजेत' here, due to वाक्य भेद, it is recommended –
(A) व्यञ्जना (B) लक्षणा
(C) अपूर्वकल्पना (D) विधिकल्पना

26. गौतमधर्मसूत्रे संस्कारा: भवन्ति –
गौतमधर्मसूत्र के अनुसार संस्कार होते हैं –
the संस्कारs in गौतमधर्मसूत्र are –
(A) अष्टाचत्वारिंशत् (B) षोडश
(C) चत्वारिंशत् (D) त्रयोदश

27. मातापितृभ्यामुत्सृष्ट: पुत्रो भवति –
मातापिता के द्वारा परित्यक्त पुत्र है –
The पुत्र abandoned by parents, is called –
(A) अपविद्ध: (B) पौनर्भव:
(C) गूढज: (D) कृत्रिम:

28. दायादानां न तत् भवेत् –
दायादों के वह नहीं होता है –
The दायादs are not heir-apparent for –
(A) पितामहधनम्
(B) पितृधनम्
(C) मित्रसकाशाद्यल्लब्धम्
(D) पितृद्रव्य विनिमयेन विद्यया लब्धं धनम्

29. प्रामाण्यं स्वतो ग्राह्यं नास्ति –
प्रामाण्य स्वयम् ग्राह्य नहीं है –
प्रामाण्य is not self accepted –
(A) संशयानुपपत्तित:
(B) संप्रवर्तकत्वात्
(C) विसंवादिप्रवर्तकत्वात्
(D) ज्ञानवृत्तित्वात्

30. कर्तृत्वेन कार्यत्वेन कार्यकारण भाव एव –
कर्तृत्व के द्वारा कार्यत्व के द्वारा कार्यकारण भाव ही –
The कार्यकारण भाव through कर्तृत्व and कार्यत्व, is –
(A) अनुकूलस्तर्क: (B) उपाधि:
(C) गौरवम् (D) व्यतिरेकव्यभिचार:

31. पचतीत्यत्राख्यातार्थस्य कृतेरन्वय: कर्तरि । –
पचति इस आख्यात अर्थ के लिए कर्त्ता में अन्वय है –
'पचति' of this आख्यातार्थ, the अन्वय of कर्त्ता is –
(A) समवायेन
(B) आश्रयता सम्बन्धेन
(C) विषयता सम्बन्धेन
(D) संयोगेन

32. त्रिगुणात्मिका प्रकृति: –
त्रिगुणात्मिका प्रकृति है –
त्रिगुणात्मिका प्रकृति is –
(A) हेतुमती (B) अहेतुमती
(C) निर्लिप्ता (D) विकृति:

33. "प्रत्यक्षानुमानोपमान शब्दा:" प्रमाणानीति मन्यन्ते –
"प्रत्यक्षानुमानोपमान शब्दा:" प्रमाण मानते हैं –
"प्रत्यक्षानुमानोपमान शब्दा: प्रमाणानि" thus accepted by –
(A) वैशेषिका: (B) नैयायिका:
(C) लौकिका: (D) सांख्या:

34. सूक्ष्मपञ्चभूतानि परिणामभूतानि भवन्ति –
सूक्ष्मपञ्चभूत परिणामभूत होते हैं –
सूक्ष्मपञ्चभूतs undergo modification, due to –
(A) बुद्धे: (B) अहङ्कारस्य
(C) मनस: (D) प्रधानस्य

35. "अन्योन्यजननमिथुनवृत्तयश्च" –
अन्योन्य जनन मिथुन वृत्तियाँ हैं –
"अन्योन्यजननमिथुनवृत्तय:" are –
(A) गुणा: (B) धर्मादय:
(C) व्यक्तादय: (D) भावा:

36. "देशबन्धश्चित्तस्य धारणा" इति सूत्रमस्ति –
"देशबन्धश्चित्तस्य धारणा" यह सूत्र है –
"देशबन्धश्चित्तस्य धारणा" this sutra is –
(A) चतुर्थपादे (B) प्रथमपादे
(C) तृतीयपादे (D) द्वितीयपादे

37. पादविभागो नास्ति –
पादविभाग नहीं है –
There is no पादविभाग –
(A) ब्रह्मसूत्रग्रन्थे (B) सांख्यकारिकायाम्
(C) न्यायसूत्रग्रंथे (D) मीमांसायाम्

38. फलदीपेश्वर: भवति –
फलदीपेश्वर है –
फलदीपेश्वर is –
(A) वपुष्मान् (B) मेधातिथि:
(C) ज्योतिष्मान् (D) द्युतिमान्

39. योनिमुद्रा: भवन्ति –
योनिमुद्राएँ होती हैं –
योनिमुद्राs are –
(A) अष्टौ (B) नव
(C) पञ्च (D) तिस्र:

40. सात्विकं पुराणमस्ति –
सात्विक पुराण है –
The सात्विक Purana is –
(A) भविष्यपुराणम्
(B) शिवपुराणम्
(C) श्रीमद्भागवतपुराणम्
(D) लिङ्गपुराणम्

41. "पञ्चविंशत्सहस्राणि _____ तदुच्यते" –
"पञ्चविंशत्सहस्राणि _____" कहा जाता है –
"पञ्चविंशत्सहस्राणि _____" is called –
(A) वायवीयम् (B) नारदीयम्
(C) मार्कण्डेयम् (D) गारुडीयम्

42. साङ्कर्यसंज्ञिता: दोषा: भवन्ति –
साङ्कर्य संज्ञित दोष होते हैं –
The साङ्कर्यसंज्ञितदोषाs are –
(A) द्वादश (B) एकादश
(C) त्रयोदश (D) पञ्चदश

43. विद्यार्थी – त्यजेत् –
विद्यार्थी – छोड़ें –
विद्यार्थी should abandon –
(A) निद्राम् (B) सुखम्
(C) भोजनम् (D) भिक्षायाचनम्

44. ऊष्मा भेदा: सन्ति –
ऊष्मा भेद हैं –
The ऊष्म भेदs are –
(A) दश (B) सप्त
(C) त्रय: (D) द्वौ

45. धूर्तस्वामी भाष्यकार: अस्ति –
धूर्तस्वामी भाष्यकार हैं –
The commentator धूर्तस्वामी is –
(A) बोधायन श्रौतसूत्रस्य
(B) भारद्वाज श्रौतसूत्रस्य
(C) आपस्तम्ब श्रौतसूत्रस्य
(D) सत्याषाढ़ श्रौतसूत्रस्य

46. दारिलवृत्ति: विद्यते –
दारिल वृत्ति है –
दारिलवृत्ति is –
(A) आश्वलायन गृह्यसूत्रे
(B) कौशिक गृह्यसूत्रे
(C) कात्यायन गृह्यसूत्रे
(D) जैमिनीय श्रौतसूत्रे

47. देवता: सन्ति –
देवता हैं –
देवताs are –
(A) एकादश (B) त्रयस्त्रिंशत्
(C) अष्टाचत्वारिंशत् (D) त्रयत्रिंशकोट्य:

48. श्रीमन्थविद्योपदेश: वर्तते –
श्रीमन्थ विद्या का उपदेश है –
श्रीमन्थविद्या is imparted –
(A) कठोपनिषदि
(B) बृहदारण्यकोपनिषदि
(C) छान्दोग्योपनिषदि
(D) प्रश्नोपनिषदि

49. निरुक्त श्लोक वार्त्तिकस्य कर्त्ता अस्ति –
निरुक्त श्लोक वार्त्तिक के कर्त्ता हैं –
The author of निरुक्तश्लोकवार्त्तिक is –
(A) यास्क: (B) दुर्गाचार्य:
(C) नीलकण्ठ: (D) स्कन्दस्वामी

50. मम्मटाचार्येण काव्यभेदा: निरुपिता: –
मम्मटाचार्य ने काव्यभेदों का निरूपण किया हैं –
The काव्यभेदs of मम्मटाचार्ये, are –
(A) त्रय: (B) चत्वार:
(C) पञ्च (D) सप्त

51. भरतेन नाट्ये रसा: स्मृता: –
भरत ने नाट्य में रस माने हैं –
Rasas in नाट्य according to Bharata, are –
(A) षड् (B) सप्त
(C) अष्टौ (D) नव

52. यत्र एकस्मिन् वाक्ये अनेकार्थता भवेत्, तत्र ..... अलङ्कारो भवति ।
जहाँ एक ही वाक्य से अनेक अर्थों का बोध होता है वहाँ ..... अलङ्कार होता है ।
'यत्र एकस्मिन् वाक्ये अनेकार्थता भवेत्' is the definition of –
(A) उपमा (B) श्लेष:
(C) समासोक्ति (D) उत्प्रेक्षा

53. मम्मटेन काव्यप्रयोजनानिप्रतिपादितानि –
मम्मट ने काव्यप्रयोजनों का प्रतिपादन किया है –
The काव्यप्रयोजनs of Mammata, are –
(A) त्रीणि (B) चत्वारि
(C) पञ्च (D) षट्

54. "यत्रार्थ: शब्दो वा तमर्थमुपसर्जनीकृत स्वार्थौ ।
व्यङ्कत: काव्यविशेष: स..... सूरिभि: कथित: ।।"
(A) ध्वनिरिति (B) भक्तिरिति
(C) व्यक्तिरिति (D) शक्तिरिति

55. "रीतिरात्मा काव्यस्य" इति मतमस्ति –
"रीतिरात्मा काव्यस्य" ऐसा मत है –
"रीतिरात्मा काव्यस्य" is the opinion –
(A) दण्डिन: (B) वामनस्य
(C) रुद्रटस्य (D) मम्मटस्य

56. चतुर्भ्य: भूतेभ्यो जायते चैतन्यमिति –
चारभूतों से चैतन्य उत्पन्न होता है –
चैतन्य is produced though four भूतs –
(A) चार्वाका: (B) सांख्या:
(C) पूर्वमीमांसका: (D) दिगम्बरा:

57. 'अनुमानप्रमाणगम्य ईश्वर' इति मन्यन्ते –
'ईश्वर अनुमान प्रमाण से जाना जाता है' यह मानते हैं –
'अनुमानप्रमाणगम्य ईश्वर' – is the opinion of –
(A) न्यायनयज्ञा: (B) प्रत्यक्षप्रमाणवादिन:
(C) कर्मकाण्डिन: (D) तान्त्रिका:

58. शून्यवादिन: इन्द्रियप्रत्यक्षं जगत् मन्यन्ते –
शून्यवादी जगत् को इन्द्रिय प्रत्यक्ष मानते हैं –
According to शून्यवादी _____ जगत् perceived by इन्द्रिय प्रत्यक्ष is –
(A) सत्यमिति
(B) नासत्यमिति
(C) सत्यासत्योभयमिति
(D) अनिर्वचनीयमिति

59. मल्लिशेषेण विरचित: सुप्रसिद्धो ग्रन्थ: –
मल्लिशेषेण के द्वारा विरचित सुप्रसिद्ध ग्रन्थ है –
The work written by मल्लिशेषेण, is –
(A) स्याद्वादमञ्जरी
(B) गोमट्टसार:
(C) त्रिलोकसार:
(D) त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरितम्

60. उत्पादव्यय ध्रौव्यात्मकं - भवति –
उत्पादव्यय ध्रौव्यात्मक होता है –
उत्पादव्यय ध्रौव्यात्मक is –
(A) वस्तुतत्वम् (B) द्रव्यम्
(C) जीव: (D) धर्म:

61. महासन्धिकादि बौद्धपरिषद: शाखा: सन्ति –
महासन्धिकादि बौद्धपरिषद् की शाखाएँ हैं –
The शाखाs of महासन्धिकादि बौद्धपरिषद् are –
(A) नव (B) द्वादश
(C) तिस्र: (D) चत्वारि

62. सेश्वरं दर्शनमस्ति –
सेश्वर दर्शन है –
सेश्वर दर्शन is –
(A) योग (B) सांख्य
(C) चार्वाक: (D) बौद्ध:

63. ईश्वर सिद्धि: निरूपिता नास्ति –
ईश्वर सिद्धि निरूपित नहीं है –
ईश्वर सिद्धि is not recommended –
(A) सांख्ये (B) वेदान्ते
(C) न्याये (D) मीमांसायाम्

64. विवेकिनो विरक्तस्य शमादिगुण शालिन: ।
मुमुक्षोरेव हि ब्रह्मजिज्ञासा योग्यता मता ।।
– इति अधिकारी प्रकाशकश्लोक: –
– यह अधिकारी प्रकाशक श्लोक है –
– The Shloka regarding अधिकारी is –
(A) आत्मबोधे
(B) विवेकचूडामणौ
(C) शांकरभाष्ये
(D) शतश्लोक्याम्

65. यत्र यदध्यासस्तस्यैव विपरीत धर्मत्व कल्पना अध्यास इति मतम् –
जहाँ जो अध्यास है उसकी ही विपरीत धर्मत्व कल्पना अध्यास होता है - यह मत है –
"यत्र यदध्यासस्तस्यैव विपरीतधर्मत्वकल्पना अध्यास:" is the opinion –
(A) अख्यातिवादिनाम्
(B) शून्यवादिनाम्
(C) आत्मख्यातिवादिनाम्
(D) अन्यथाख्यातिवादिनाम्

66. "अध्यासो नाम अतस्मिंस्तब्धुद्धिरित्यवोयाम" इति वचनम् –
"अध्यासो नाम अतस्मिंस्तब्धुद्धिरित्यवोयाम" यह वचन है –
"अध्यासो नाम अतस्मिंस्तब्धुद्धिरित्यवोयाम" this statement is –
(A) भामतीकारस्य (B) पद्मवादाचार्यस्य
(C) प्रकाशानन्दयेत: (D) शंकराचार्यस्य

67. प्रातिभासिकसत्ता वर्तते –
प्रातिभासिक सत्ता है –
प्रातिभासिक सत्ता is –
(A) शुक्तिरजते (B) ब्रह्मणि
(C) मायायाम् (D) व्यवहारे

68. निरूपाधिक सोपाधिक भेदात् द्विविध: –
निरूपाधिक सोपाधिक भेद से दो प्रकार का है –
With its divisions निरूपाधिक and सोपाधिक, the two-fold is –
(A) विधि: (B) ज्ञानम्
(C) जीव: (D) अध्यास:

69. प्रमातृत्वादीनामाविद्यकत्वं सिद्धम् –
प्रमातृत्वादियों का अविद्यकत्व सिद्ध होता है–
प्रमातृत्वादीनामाविद्यकत्व is declared –
(A) बौद्धदर्शने (B) वैशेषिकदर्शने
(C) अद्वैतवेदान्ते (D) द्वैतवेदान्ते

70. प्रपञ्चो ब्रह्म विवर्त इति नाङ्गीकरोति –
प्रपञ्च ब्रह्म विवर्त है यह अस्वीकार करता है –
"प्रपञ्च is ब्रह्म विवर्त" thus is not accepted –
(A) वादीन्द्रतीर्थ: (B) प्रकाशानन्दयति:
(C) मधुसूदनसरस्वती (D) सदानन्दमति:

71. ब्रह्ममीमांसाविवरणव्याजेन प्रस्थानान्तरमास्थिषत –
ब्रह्म मीमांसा विवरण के ब्याज से दूसरे प्रस्थान को स्थापित करते हैं –
On the pretet of ब्रह्ममीमांसाविवरण, establisher of another प्रस्थान is –
(A) वाचस्पति मिश्र: (B) आनन्दतीर्थ:
(C) शबरस्वामी (D) प्रशस्तपाद:

72. वस्तुस्वरूपस्य भेदत्वे न घटते –
वस्तुस्वरूप के भेदत्व में नहीं घटता है –
If वस्तुस्वरूप is considered with divisions, there does not take place –
(A) प्रतियोगिसापेक्षत्वम्
(B) इन्द्रियसापेक्षत्वम्
(C) शास्त्रसापेक्षत्वम्
(D) स्वतन्त्रनिरपेक्षत्वम्

73. तारं मेषं विषं सर्गि इति षडक्षर: –
ये छ: अक्षर हैं –
these six syllables are –
(A) विष्णवे (B) वायवे
(C) ब्रह्मणे (D) शिवाय

74. स्त्रीशूद्राद्यैस्तथा वेद्यो मन्त्र: –
स्त्री-शूद्रादि के द्वारा ज्ञातव्य मन्त्र है –
The mantra to be known by स्त्रीशूद्रादि, is –
(A) षडक्षर: (B) त्र्यक्षर:
(C) पञ्चाक्षर: (D) द्वादशाक्षर:

75. जगदिदं गणसंज्ञितमस्य यत् गणपति: पतिरेव: स्वयम् –
यह जगत् गण संज्ञक है, तथा इसका जो गणपति है, वह स्वयं पति है –
The गणपति of जगत् called गण is himself पति –
(A) दुर्गा (B) विनायक:
(C) शिव: (D) विष्णु:

Space For Rough Work